

# Daily Current Affairs

Date : 03 January, 2026



## अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	जस्टिस संगीत लोढा समिति
2.	स्वदेशी डिजिटल एड्रेस सिस्टम 'भारतपिन'
3.	कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट-2026
4.	भूपाल नोबल संस्थान : उदयपुर
5.	राजस्थान बना साइबर सुरक्षा का मॉडल
6.	मुख्यमंत्री कन्यादान योजना
7.	राजस्थान युवा एवं खेल महोत्सव-2026
8.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. शिक्षा श्री पुरस्कार 2. दीपेंद्र सिंह शेखावत (अजमेर) 3. नेशनल वीमेन फोक आर्ट एंड क्राफ्ट वर्कशॉप : जयपुर 4. डॉ. रुचि सोगरवाल
9.	रानी वेलू नाचियार की जयंती
10.	पिपरहवा अवशेष
11.	अमेज़न वर्षावन की डंक रहित मधुमक्खी
12.	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 2025
13.	निर्यात संवर्धन मिशन (EPM)
14.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. वॉयस ओवर वाईफाई (VoWiFi): BSNL 2. लाउदी : विध्वंसक पोत 3. न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक 4. इक्वाडोर में आपातकाल

--:1:--



### जस्टिस संगीत लोढ़ा समिति



#### चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित 'जस्टिस संगीत लोढ़ा समिति' ने जोजड़ी, बांडी और लूणी नदी प्रणाली का दौरा किया तथा नदी में व्याप्त प्रदूषण का आकलन किया।



#### मुख्य बिन्दु:

- इस दौरे का उद्देश्य गंभीर औद्योगिक और सीवेज प्रदूषण का आकलन करना, ट्रीटमेंट प्लांट (CETPs) का निरीक्षण करना, पानी के सैंपल इकट्ठा करना और 'डोली कलां और देवासियों का बास' जैसे गाँवों को हुए नुकसान का दस्तावेजीकरण करना था।
- ज्ञातव्य है कि पश्चिमी राजस्थान की जीवनरेखा मानी जाने वाली जोजड़ी, बांडी और लूणी नदियों में जानलेवा प्रदूषण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने एक हाई-लेवल इकोसिस्टम ओवरसाइट कमेटी का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा द्वारा की जा रही है।
- पश्चिमी राजस्थान की जोजड़ी, बांडी और लूणी नदियों के प्रदूषण मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला प्रशासनिक विफलता पर कठोर न्यायिक हस्तक्षेप है।

--2--

## पूरा मामला और कोर्ट की टिप्पणी

- **प्रदूषण का स्रोत** : यह मामला औद्योगिक कचरे (विशेषकर स्टील और टैक्सटाइल इकाइयों से) और सीवरेज से होने वाले जानलेवा प्रदूषण से संबंधित है, जिसने जोधपुर, पाली और बालोतरा की नदियों को जहरीला बना दिया है।
- **प्रशासनिक विफलता** : न्यायालय ने पाया कि दो दशकों की प्रशासनिक लापरवाही के कारण लगभग 20 लाख लोगों का जीवन, पशुधन और पर्यावरण खतरे में है।
- **संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन** : जस्टिस संदीप मेहता ने इस भयावह प्रदूषण को अनुच्छेद - 21 के तहत लोगों के जीने के संवैधानिक अधिकार (Right to Life) का उल्लंघन माना है।

## हाई-लेवल इकोसिस्टम ओवरसाइट कमेटी (HLEOC)

- सर्वोच्च न्यायालय ने स्थिति की निगरानी और पुनरुद्धार सुनिश्चित करने के लिए हाई-लेवल इकोसिस्टम ओवरसाइट कमेटी (HLEOC) का गठन किया है।
- **अध्यक्ष** : जस्टिस (रिटायर्ड) संगीत लोढ़ा।
- **प्रमुख सदस्य** : अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यावरण विभाग), सदस्य सचिव (CPCB और RSPCB), मैनेजिंग डायरेक्टर (RIICO) और जोधपुर, पाली, बालोतरा के जिला कलेक्टर।

## फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

### जोजड़ी नदी:

- **उद्गम** : नागौर जिले के पुंडलू गाँव की पहाड़ियों से।
- **कुल लंबाई** : 150 किमी।
- यह लूनी की सहायक नदियों में सबसे लंबी नदी है।
- जोजड़ी नदी जोधपुर से होकर बहती है और दक्षिण-पश्चिम में बालोतरा में प्रवेश करती है और सिवाना के पास लूनी नदी में मिल जाती है।
- यह लूनी की एकमात्र दाईं ओर की सहायक नदी है।
- **लूनी की अन्य सहायक नदियाँ** : जवाई, सुकड़ी, गुहिया, बांडी, मीठड़ी और खारी नदी।

## स्वदेशी डिजिटल एड्रेस सिस्टम 'भारतपिन'

### चर्चा में क्यों?

- बाड़मेर निवासी दीपक शारदा ने हाल ही में स्वदेशी डिजिटल एड्रेस सिस्टम 'भारतपिन' का विकास किया।



### मुख्य बिन्दु:

- 'भारतपिन' एक प्रकार का स्टार्टअप है, जिसके माध्यम से भारत के किसी भी क्षेत्र का 1 मीटर सटीकता युक्त डिजिटल मैप तैयार किया जा सकता है।
- इस डिजिटल एड्रेस सिस्टम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें देश के क्षेत्र की सटीकता 1 मीटर और विश्व के किसी भी क्षेत्र के लिए सटीकता 100 मीटर है।

--:4:--

# Daily Current Affairs

Date : 03 January, 2026



## विशेषताएँ:

- भारतपिन एक नया डिजिटल एड्रेसिंग सिस्टम है, जिसमें दो भाग हैं - "यूपिन और पीपिन"।
- यूपिन + पीपिन से किसी भी स्थान का सटीक डिजिटल एड्रेस बनता है। यह एड्रेस 7 अक्षरों/अंकों का कोड होता है।
- **नोट :** भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल एड्रेस सिस्टम 'डिजिपिन' (DIGIPIN - Digital Postal Index Number) है, जिसे भारतीय डाक ने IIT हैदराबाद और इसरो के सहयोग से विकसित किया है, जो पारंपरिक पिन कोड से अलग, हर जगह के लिए एक सटीक 10-अंकीय डिजिटल कोड देता है, जिससे डिलीवरी (जैसे - ई-कॉमर्स, मनी-ऑर्डर) में सटीकता आती है।

UTKARSH

CIVIL  
SERVICES

--5--

## कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट-2026

### चर्चा में क्यों?

- 02 जनवरी, 2026 को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा में चम्बल रिवर फ्रंट के शौर्य घाट पर 'कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट (KHTM)' का शुभारम्भ किया।



### मुख्य बिन्दु:

- आयोजन : 2 से 4 जनवरी, 2026 तक।
- आयोजक : राजस्थान पर्यटन विभाग, होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान (कोटा डिवीजन)
- संस्करण : प्रथम।
- उद्देश्य : हाड़ौती क्षेत्र की कला, संस्कृति और ऐतिहासिक स्थलों को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करना।
- कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा 'मैजिकल हाड़ौती' पुस्तक का विमोचन किया गया तथा जंगल सफारी के लिए कैंटर का अनावरण किया गया।

### अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

- हाड़ौती क्षेत्र : राजस्थान का हाड़ौती क्षेत्र राज्य के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित एक ऐतिहासिक क्षेत्र है, जिसमें चार प्रमुख जिले शामिल हैं।
- इन जिलों में कोटा, बूँदी, बाराँ और झालावाड़ शामिल है। इस क्षेत्र का नाम हाड़ा राजपूतों के नाम पर रखा गया है, जो चौहान वंश की एक शाखा थीं।

--6--

## भूपाल नोबल संस्थान : उदयपुर

### चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उदयपुर में विद्या प्रचारिणी सभा द्वारा संचालित 'भूपाल नोबल संस्थान' के 104वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।



### मुख्य बिन्दु:

- वर्ष 1923 में तत्कालीन मेवाड़ राजकुमार और मेवाड़ के 75वें महाराणा भूपाल सिंह द्वारा अमन सिंह और राज सिंह बेदला के सहयोग से भूपाल नोबल संस्थान की स्थापना की गई।
- इस संस्थान की शुरुआत एक प्राइमरी स्कूल (कोर्ट ऑफ वार्ड्स स्कूल) के रूप में हुई थी, जिसे वर्ष 1929 में हाई स्कूल, 1954 में इंटरमीडिएट कॉलेज, 1960 में डिग्री कॉलेज और वर्ष 1978 में पोस्ट ग्रेज्युएट कॉलेज के रूप में अपग्रेड किया गया।

### विद्या प्रचारिणी सभा, चित्तौड़गढ़

- स्थापना - वर्ष 1911 ई.।
- बिजौलिया (वर्तमान भीलवाड़ा) में हरिभाई किंकर ने विद्या प्रचारिणी सभा की स्थापना की।
- वर्ष 1915 ई. में विजयसिंह पथिक ने बिजौलिया में इस पाठशाला के संचालन का दायित्व ग्रहण किया।
- विद्या प्रचारिणी सभा ने बिजौलिया किसान आंदोलन के लिए किसान स्वयं सेवकों की विशाल सेना तैयार की, जिसने अहिंसक सत्याग्रह द्वारा दीर्घकाल तक सामन्त व राज्य की सत्ता से संघर्ष किया।

--7--

## राजस्थान बना साइबर सुरक्षा का मॉडल

### चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2025 में राजस्थान ने साइबर ठगों द्वारा ठगी गई राशि को फ्रीज करवाने के मामले में देशभर में 5वां स्थान प्राप्त किया।



### मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर ठगी की रोकथाम के लिए विभिन्न ऑपरेशन और अभियान संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें प्रमुख है - ऑपरेशन म्यूल अकाउंट एवं POS, ऑपरेशन साइबर शील्ड, ऑपरेशन एंटी वायरस और ऑपरेशन वज्र प्रहार।
- इन ऑपरेशन्स के दौरान तकनीकी टीम ने करीब 2.5 लाख संदिग्ध मोबाइल नंबर और IMEI ब्लॉक किए। साथ ही, म्यूल अकाउंट्स की पहचान कर उन्हें फ्रीज किया गया।
- वर्तमान में राजस्थान के सभी 41 राजस्व जिलों में पूर्णतः क्रियाशील साइबर पुलिस थाने मौजूद हैं। इसके साथ ही प्रदेश के हर स्थानीय पुलिस थाने में साइबर हेल्पडेस्क स्थापित की गई है।
- राजस्थान साइबर सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 है।

--8--

# Daily Current Affairs

Date : 03 January, 2026



## अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **राजस्थान का पहला साइबर सपोर्ट सेंटर** : 24 मई, 2025 को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में 'राजस्थान के पहले साइबर सपोर्ट सेंटर' की शुरुआत की गई। यह साइबर सपोर्ट सेंटर 'रेस्पॉन्सिबल नेटिज़न्स एवं कोग्टा फाउंडेशन' द्वारा संचालित किया जा रहा है।
- **राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की वर्ष 2022 की 'क्राइम इन इंडिया' रिपोर्ट** के अनुसार, भारत में वर्ष 2022 में साइबर अपराध के तहत 65,893 मामले दर्ज किए गए, जो वर्ष 2021 में 52,974 मामलों की तुलना में 24.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।
- **भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)** : देश में सभी प्रकार के साइबर अपराध से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के तहत 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (I4C) की स्थापना की गई है।

UTKARSH

CIVIL  
SERVICES

--9--

## मुख्यमंत्री कन्यादान योजना

### चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री कन्यादान योजना' के माध्यम से वर्ष 2023-24 से दिसंबर, 2025 तक लगभग ₹142.62 करोड़ व्यय कर 34,704 कन्याओं को लाभान्वित किया जा चुका है। (स्रोत - DIPR)



## मुख्यमंत्री कन्यादान योजना

### मुख्य बिन्दु:

#### योजना के बारे में:-

- उद्देश्य** - समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की कन्याओं के विवाह में प्रोत्साहन देना और बाल विवाह की रोकथाम।
- प्रदत्त लाभ** : दो श्रेणियों में।
- प्रथम श्रेणी** : 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अल्पसंख्यक BPL परिवारों की कन्याएँ।

-:10:-

# Daily Current Affairs

Date : 03 January, 2026



## प्रदत्त राशि -

योग्यता	राशि
सामान्य	₹31000
10वीं पास	₹41000
स्नातक	₹51000

## द्वितीय श्रेणी :

पात्र	योग्यता	राशि
बीपीएल, अंत्योदय, आस्था कार्डधारी, आर्थिक रूप से कमजोर विधवा, विशेष योग्यजन, पालनहार लाभार्थी व महिला खिलाड़ी	सामान्य	₹21000
	10वीं पास	₹31000
	स्नातक	₹41000

## पात्रता शर्तें:

- कन्या की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।
- एक परिवार की अधिकतम दो कन्याएँ योजना के लिए पात्र।
- लाभ केवल राजस्थान राज्य के पात्र परिवारों को।
- विवाह वैध एवं पंजीकृत होना आवश्यक।
- इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विवाह की तारीख से 1 वर्ष के भीतर आवेदन करना आवश्यक है।

-:11:-



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213  
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## राजस्थान युवा एवं खेल महोत्सव-2026

### चर्चा में क्यों?

- राजस्थान युवा एवं खेल महोत्सव-2026 का राज्य स्तरीय समारोह 7 से 12 जनवरी, 2026 तक जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

### मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन स्थल** : सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर।
- राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ₹50,000, द्वितीय स्थान पर ₹25,000 और तृतीय स्थान पर ₹10,000 के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।
- इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों को ₹1,00,000 का 'यूथ आइकॉन अवार्ड' भी प्रदान किया जाएगा।
- युवा महोत्सव का आयोजन सभी जिलों और संभागों में भी किया जाएगा।
- **नोट** : स्पोर्ट्स गुड्स एण्ड टॉयज़ ज़ोन - खुशखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया, भिवाड़ी।

## ✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p><b>शिक्षा श्री पुरस्कार</b></p> <ul style="list-style-type: none"><li>“कर्नल सोफिया कुरैशी का भारतीय सेना में योगदान” रिसर्च पेपर के लिए हाल ही में जयपुर निवासी राजकुमार वर्मा को ‘शिक्षा श्री पुरस्कार’ से सम्मानित किया गया।</li><li>उन्हें यह पुरस्कार कुलगुरु बी.एल. मेहता लर्निंग इंस्टीट्यूट, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया।</li></ul>
2.	<p><b>दीपेंद्र सिंह शेखावत (अजमेर)</b></p> <ul style="list-style-type: none"><li>गुवाहाटी में 22 से 25 दिसंबर, 2025 तक आयोजित 31वीं थांग-ता जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में अजमेर निवासी दीपेंद्र सिंह शेखावत ने 80 किलोग्राम+ भार वर्ग में रजत पदक जीता।</li><li><b>प्रतियोगिता का आयोजन</b> : अर्जुन भोगेश्वर बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गुवाहाटी।</li></ul>
3.	<p><b>नेशनल वीमेन फोक आर्ट एंड क्राफ्ट वर्कशॉप : जयपुर</b></p> <ul style="list-style-type: none"><li>2 से 8 जनवरी, 2026 तक जयपुर स्थित राजस्थान विश्वविद्यालय में ‘नेशनल वीमेन फोक आर्ट एंड क्राफ्ट वर्कशॉप’ का आयोजन किया जा रहा है।</li><li><b>उद्देश्य</b> : महिला सशक्तीकरण और लोक कलाओं को बढ़ावा देना।</li><li>इस वर्कशॉप में कला प्रदर्शन, शिल्प कार्यशालाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया जाएगा।</li></ul>
4.	<p><b>डॉ. रुचि सोगरवाल</b></p> <ul style="list-style-type: none"><li>सार्वजनिक स्वास्थ्य और कॉर्पोरेट क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जयपुर निवासी डॉ. रुचि सोगरवाल को हाल ही में ‘राजस्थान विमेंस ग्लोरी अवार्ड फॉर लीडरशिप इन कॉर्पोरेट्स’ से सम्मानित किया गया।</li><li>उन्हें यह सम्मान ‘हाइपएज मीडिया ग्रुप’ द्वारा ‘आई कैन फाउंडेशन’ के सहयोग से आयोजित ‘विमेंस ग्लोरी अवार्ड 2025’ में प्रदान किया गया।</li></ul>



### रानी वेलू नाचियार की जयंती



#### चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी वीरामंगई रानी वेलू नाचियार की जयंती मनाई गई।



#### मुख्य बिन्दु:

- यह तमिलनाडु के रामनाथपुरम के रामनाद साम्राज्य की राजकुमारी थी।
- नाचियार 1780 ई. में अपने पति की मृत्यु के बाद शिवगंगा स्टेट (तमिलनाडु) की रानी बनी तथा 1790 ई. तक शासन किया।
- इन्होंने पहला मानव बम बनाने के साथ-साथ 1700 के दशक के उत्तरार्ध में 'उदायल नारी सेना' नामक प्रशिक्षित महिला सैनिकों की पहली सेना की स्थापना की।

## पिपरहवा अवशेष

### चर्चा में क्यों?

- 3 जनवरी, 2026 को प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में गोतम बुद्ध से संबंधित पिपरहवा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

### मुख्य बिन्दु:

- प्रदर्शनी का शीर्षक:** 'द लाइट एंड द लोटस : रेलिक्स ऑफ द अवेकेंड वन'।
- यह प्रदर्शनी पहली बार उन पिपरहवा अवशेषों को एक साथ लाती है, जिन्हें एक सदी से भी अधिक समय के बाद स्वदेश वापस लाया गया तथा राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली व भारतीय संग्रहालय, कलकत्ता में संरक्षित किया गया।
- प्रदर्शनी को विषयगत रूप से व्यवस्थित किया गया है, जिसके केन्द्र में सांची स्तूप से प्रेरित एक पुनर्निर्मित व्याख्यात्मक मॉडल है, जिसमें स्वदेश लाए गए रत्नों को दर्शाया गया है।
- इस प्रदर्शनी में ऑडियो-विजुअल कॉम्पोनेंट भी शामिल किया गया है।

### अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

#### पिपरहवा बौद्ध अवशेष:

- स्थान :** सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश (शाक्य गणराज्य की राजधानी कपिलवस्तु के समीप)।
- खोज:** 1898 ई. में विलियम क्लैक्सटन पेम्पे द्वारा।
- अवशेष :** 1800 से अधिक रत्न, पाँच रेलिक्वेरी (पवित्र अवशेष डिब्बे), अस्थि अवशेष, क्रिस्टल के ताबूत, अन्य आनुष्ठानिक प्रसाद और सोप स्टोन (पाषाण पात्र)।
- नोट:** एक ताबूत पर ब्राह्मी लिपि में एक शिलालेख है जो अवशेषों को प्रत्यक्ष रूप से भगवान बुद्ध से जोड़ता है।

## पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

### अमेज़न वर्षावन की डंक रहित मधुमक्खी

#### चर्चा में क्यों?

- पेरू की सेटियो नगर पालिका ने एक नगरपालिका आदेश के माध्यम से डंक रहित मधुमक्खी की मेलिपोनिनी जनजाति के अधिकारों की घोषणा को अपनाया है।
- यह आदेश पेरू की जैव संस्कृति को संरक्षित करने के लिए इस मधुमक्खी को कानूनी अधिकार प्रदान करता है।

#### मुख्य बिन्दु:

- वैश्विक स्तर पर कीटों के अधिकारों को पहली बार कानूनी मान्यता मिली है।
- **मान्यता प्राप्त अधिकार:**
  1. अस्तित्व और समृद्धि का अधिकार।
  2. स्वस्थ आबादी बनाए रखने का अधिकार।
  3. प्राकृतिक चक्रों को पुनर्जीवित करने का अधिकार।
  4. प्रदूषण मुक्त वातावरण का अधिकार।
  5. पारिस्थितिक रूप से स्थिर जलवायु परिस्थितियों का अधिकार।
  6. नुकसान या धमकी के मामलों में कानूनी प्रतिनिधित्व का अधिकार।
- **नोट:** डंक रहित मधुमक्खियों के पक्ष में स्वदेशी नेता या विशेषज्ञ जैसे मानव संरक्षक उनका प्रतिनिधित्व कर सकते हैं और मधुमक्खियों की ओर से प्रदूषण फैलाने वालों पर मुकदमा कर सकते हैं।

#### अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

#### डंक रहित मधुमक्खियाँ; मेलिपोनिनी:

- **निवास :** उष्ण कटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में (अमेज़न वर्षा वन)।
- यह पृथ्वी पर पाई जाने वाली सबसे पुरानी मधुमक्खी प्रजातियों में से एक है, जो अमेज़न में 80% से अधिक वनस्पतियों के परागण हेतु जिम्मेदार है।
- यह डंक रहित है अर्थात् इनमें छोटा डंक अवशिष्ट रूप में होता है।
- **सांस्कृतिक महत्व:** डंक रहित मधुमक्खियाँ स्वदेशी अशानिका और कुंकामा - कुकामिरिया संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा है।

## आर्थिक परिदृश्य

### केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 2025



#### चर्चा में क्यों?

- केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 2025 और तंबाकू उत्पादों पर संबंधित कर परिवर्तनों को अधिसूचित कर दिया है।



#### मुख्य बिन्दु:

- प्रभावी** : 1 फरवरी, 2026
- उद्देश्य** : सार्वजनिक स्वास्थ्य और राजकोषीय उद्देश्यों के अनुरूप तंबाकू की कीमतों में वृद्धि करना।
- संशोधन** : इस अधिनियम ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 में संशोधन किया है।
- उत्पाद शुल्क दरों का संशोधन**: GST क्षतिपूर्ति उपकर की समाप्ति के बाद समग्र कर भार को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए तंबाकू पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को अद्यतन किया गया है।
- नोट** : तंबाकू व तंबाकू उत्पादों पर तीन स्तरीय संरचना लागू है, जिसमें GST, GST क्षतिपूर्ति उपकर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क शामिल है।
- नोट**: GST लागू होने के बाद वर्ष 2017 में अधिकांश वस्तुओं पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाप्त कर दिया गया था किंतु तंबाकू और तंबाकू उत्पाद इसके दायरे में बने रहे।

#### प्रभाव व निहितार्थ:

- स्वास्थ्य नीति के अनुरूप (WHO सिफारिशों के अनुरूप)
- राजस्व सुदृढीकरण
- राज्य सरकारों का राजस्व संरक्षण (सहकारी संघवाद)

#### अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

- GST क्षतिपूर्ति उपकर**: एक अतिरिक्त शुल्क जो GST के कार्यान्वयन से होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए चुनिंदा वस्तुओं पर लगाया जाता है।
- शुरुआत** : जुलाई, 2017
- अवधि** : 5 वर्ष (जून, 2022 तक)
- नोट**: COVID-19 से संबंधित राजस्व घाटे के कारण इसे 31 मार्च, 2026 तक बढ़ा दिया गया था।

## निर्यात संवर्धन मिशन (EPM)

### चर्चा में क्यों?

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने भारतीय निर्यातकों की वैश्विक बाजार पहुँच को बढ़ाने हेतु निर्यात संवर्धन मिशन के तहत बाजार पहुँच पहल/दिशानिर्देशों का पहला सेट अधिसूचित किया है।

### मुख्य बिन्दु:

- वित्तीय वर्ष में अधिकतम 3 नेशनल बिजनेस मैनेजमेंट प्रोजेक्ट व अधिकतम 4 नेशनल बिजनेस मॉडल के लिए फर्म पात्र है।
- **वित्तीय सहायता:** निर्यातकों, MSMEs को व्यापार मेलों, क्रेता-विक्रेता बैठकों, मेगा रिवर्स क्रेता-विक्रेता बैठकों और व्यापार प्रतिनिधिमंडलों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- **सहायता राशि:** क्रेता-विक्रेता बैठक/ व्यापार प्रतिनिधिमंडल को 5 करोड़ रुपये व मेगा रिवर्स वायर सेलर मीट के लिए 10 करोड़ रुपये है।
- **सीमा:**
  1. प्रत्येक फर्म में अधिकतम 2 प्रतिनिधियों को वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।
  2. प्रतिभागियों का न्यूनतम प्रतिनिधिमंडल 50 होना चाहिए
  3. कम से कम 35% लघु एवं मध्यम उद्यम होने चाहिए।
- **बाजार पहुँच सहायता का उद्देश्य :** संचरित और परिणामोन्मुखी बाजार पहुँच संबंधी उपायों के माध्यम से खरीदारों से बेहतर संपर्क स्थापित करना तथा वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति को मजबूत करना।
- **वित्तपोषण:** सरकारी वित्तपोषण, लागत का 60% तथा उद्योग द्वारा 40% योगदान।

### अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

### निर्यात संवर्धन मिशन:

- **घोषणा :** केंद्रीय बजट 2025-26
- **कैबिनेट मंजूरी :** नवंबर, 2025

## ■ उद्देश्य:

1. प्राथमिकता वाले और उभरते वैश्विक बाजारों में भारतीय निर्यातकों की पहुँच में सुधार करना।
2. MSMEs और पहली बार निर्यात करने वालों को बाजार प्रवेश संबंधी बाधाओं को दूर करना।

■ **लागू:** वाणिज्य विभाग, MSMEs मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों, निर्यात प्रोत्साहन परिषदों (EPCs), कमोडिटी बोर्डों और अन्य उद्योग संघों के समन्वय से संयुक्त रूप से लागू किया जा रहा है।

■ **कार्यान्वयन एजेंसी:** विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGPT)।

■ **अवधि व परिव्यय:** वर्ष 2025-26 से 2030-31 की अवधि हेतु ₹25,060 करोड़ रुपये।

■ **यह मिशन 2 स्तंभों पर आधारित है :**

1. **निर्यात प्रोत्साहन (वित्तीय सहायता):** ब्याज में छूट और ऋण सहायता के माध्यम से निर्यात वित्त पोषण की लागत को कम करने पर केन्द्रित है।
2. **निर्यात दिशा (गैर-वित्तीय सहायता):** यह निर्यातकों के लिए बाजार पहुँच, क्षमता निर्माण और संस्थागत सहायता पर केन्द्रित है।

**भारत के निर्यात उद्योग की स्थिति:**

- **निर्यात वृद्धि :** वर्ष 2023-24 में 778.21 बिलियन \$ (वर्ष 2013-14 की तुलना 67% वृद्धि)
- **निर्यात बाजार:** वर्ष 2023-24 में 10 देश कुल वस्तु निर्यात का 51 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं; अमेरिका, UAE, नीदरलैंड, चीन, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम, सऊदी अरब, बांग्लादेश, जर्मनी और इटली।
- **सर्वाधिक योगदान:** सेवा क्षेत्र (44%)

## ✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p><b>वॉयस ओवर वाईफाई (VoWiFi): BSNL</b></p> <ul style="list-style-type: none"><li>हाल ही में, BSNL ने देशभर में सभी दूरसंचार सर्किलों में वॉयस ओवर वाईफाई सेवाएं शुरू की है।</li><li><b>Vowifi ( वॉयस ओवर वाईफाई )</b> : एक ऐसी तकनीक है जो उपयोगकर्ताओं को मोबाइल टावर की बजाय वाई-फाई नेटवर्क पर वॉयस कॉल करने, SMS भेजने और प्राप्त करने की अनुमति देती है।</li><li><b>लाभ:</b><ol style="list-style-type: none"><li>मोबाइल सिग्नल के बिना विश्वसनीय कॉलिंग।</li><li>बेहतर कॉल गुणवत्ता व सुरक्षा</li></ol></li></ul>
2.	<p><b>लाउदी : विध्वंसक पोत</b></p> <ul style="list-style-type: none"><li>हाल ही में, चीन ने एक नए उन्नत मिसाइल विध्वंसक पोत लाउदी को लॉन्च किया है।</li><li>BBC की हालिया रिपोर्ट के अनुसार चीनी नौसेना विश्व की सबसे बड़ी नौसेना है।</li></ul>
3.	<p><b>न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक</b></p> <ul style="list-style-type: none"><li>हाल ही में, कॉलेजियम की सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति ने न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक को झारखण्ड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया।</li><li>यह वर्तमान में बंबई उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप कार्यरत है।</li><li><b>कॉलेजियम की अन्य अनुशंसा:</b><ol style="list-style-type: none"><li><b>रमेशचन्द्र डिमरी</b> : पंजाब उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त।</li><li><b>नीरजा कुलवंत</b>: हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त।</li></ol></li></ul>

4.

## इक्वाडोर में आपातकाल

- इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने 9 प्रांतों और 3 नगर निगमों में 60 दिन का आपातकाल घोषित किया है।
- **कारण:** आपराधिक हिंसा बढ़ने के कारण।
- **आपातकाल लगाने का उद्देश्य:** हिंसा को नियंत्रित करना, उसमें कमी लाना तथा आपराधिक तत्त्वों को निष्क्रिय करना।

